पाठ 11- जो देखकर भी नह

◌ी◌ंदे खते

पष्ठृ संख्या:104

निबधं से

1. 'जिन लोगों केपास आँखेंहैं,वेसचमचु बहतु कम देखतेहैं'- हेलेनके लरको ऐसा क्यों लगता था?

उत्तर

लोगों केपास ि◌◌ो चीज़ उपलब्ध होती है, उसका उपयोग वेनहीं करतेइसजलए हेलेनके लरको ऐसा लगता हैजक जिन लोगों केपास आँखेंहैं,वेसचमचु बहतु कम देखतेहैं।

2. 'प्रकृजत का ि◌◌ाद'◌ूजकसेकहा गया है?

उत्तर

प्रकृजत केसौंदययऔर उनमेंहोनेवालेजदन-प्रजतजदन बदलाव को 'प्रकृजत का ि◌◌ाद'◌ूकहा गया है।

पष्ठृ सख्यां: 105

3. 'कुछ खास तो नहीं'- हेलेनकी जमत्र नेयह ि◌वाब जकस मौकेपर जदया और यह सनकरु हेलेनको आश्चययक्यों हआु?

उत्तर

एक बार हेलेन केलर की जप्रय जमत्र ि ंगल मेंघमनेूगई थी। िब वह वापस लौटी तो हेलेन केलर ने उससेि ंगल केबारेमेंि ानना चाहा तब उनकी जमत्र नेि वाब जदया जक 'कुछ खास तो नहीं'। यह सनकरु हेलेनको आश्चययइसजलए हआु क्योंजक लोग आँखेंहोनेकेबाद भी कुछ नहीं देखपातेजकन्तु वेतो आँखेंनहोनेकेबाविद भी प्रकृजत की बहतु सारी चीज़ों को के वलस्पर्यसेही महससू कर लेतीहैं।

4. हेलेनके लरप्रकृजत की जकन चीज़ों को छूकर और सनकरु पहचान लेतीथीं? पाठ पढ़कर इसका उत्तर जलखो।

उत्तर

हेलनके लरभोि -पत्र केपेड़की जचकनी छाल और चीड की खरदरीु छाल को स्पर्यसेपहचान लेती थी। वसतं केदौरान वेटहजनयों मेंनयी कजलयाँ, फूलों की पखंजडयोंु की मखमली सतह और उनकी घमावदारु बनावट को भी वेछूकर पहचान लेतीथीं। जचजडया केमधरु स्वर को वेसनकरु ि ान लेती थीं।

5. 'ि बजक इस जनयामत सेजज़ंदगी को खजर्योंु केइन्रधनषीु रंगों सेहरा-भरा ि ा सकता है।' - तम्हारीु नज़र मेंइसका क्या अथयहो सकता है?

उत्तर

इन पजियों ं मेंहेलेनके लरनेजिंदगी मेंआँखोंकेमहत्व को बताया है।वह कहती हैंकी आँखोंके सहयोग सेहम अपनेजिंदगी को खजर्योंु केरंग-जबरंगेरगों सेरंग सकतेहैं।

निबधं सेआगे

1. कान सेन सननेुपर आस पास की दजनयाु कै सीलगती होगी? इस पर जटप्पणी जलखो और साजथयों केसाथ जवचार करो।

उत्तर

कान सेन सननुेपर आस पास की दजनया◌ु एकदम र्◌ातं लगती होगी। हम दसरों◌ू की बातों को सनु नहीं पाते।के वलचीज़ों को देखकरहम उन्हेंसमझनेका प्रयास कर सकतेहैं।

2. कई चीज़ों को छूकर ही पता चलता है, ि◌◌ैसे-कपड़ेकी जचकनाहट या खरदरापनु, पजत्तयों की नसों का उभार आजद। ऐसी और चीज़ों की सची◌ू तैयारकरो जिनको छूनेसेउनकी खाजसयत का पता चलता है।

उत्तर

चाय की गमायहट, बर्यकी ठंडक, घास की नरमी, कपडेका गीलापन

3. हम अपनी पाँचोंइजरयों◌ं मेंसेआँखोंका इस्तेमालसबसेज्यादा करतेहैं।ऐसी चीज़ों केअहसासों की ताजलका बनाओ ि◌◌ो तमु बाकी चार इजरयों◌ं सेमहससू करतेहो - सनना◌ु, चखना, सघनाँ◌ू, छूना।

उत्तर

सनना◌ु - सगीतं सनना◌ु, पजियों की चहचाहट, पर्ओु ◌ंकी आवाज़
चखना- तीखापन, जमठास, नमकीन
सघनाँ◌ू- फूल, इत्र का सगुधं, कीचड़ का दगयन्धु,
छूना- गमय,नरम, ठंडा, मलायमु

पष्ृ सख्यां: 106

भाषा की बात

1. पाठ मेंस्पर्यसेसबंजधतं कई ब्दं आए हैं।नीचेऐसेकुछ और ब्दं जदए गए हैं।बताओ जक जकन चीज़ों का स्पर्यऐसा होता है-जचकना, जचपजचपा, मलायमु, खरदरा◌ु, जलिजलिा, ऊबड़-खाबड़, सख्त, भरभुरा।◌ु

उत्तर

जचकना - कपडा

जचपजचपा - गोंद

मलायमु - रुई

खरदरा◌ु - घड़ा

जलिजलिा - ईद

ऊबड़-खाबड़ - सड़क

सख्त - पत्थर

भरभुरा◌ु - गड़ु

पष्ठृ सख्यां: 107

2. अगर मझुेइन चीज़ों को छूनेभर सेइतनी खर्◌ी◌ु जमलती है, तो उनकी सदरतां◌ु देखकरतो मेरामन मग्धु ही हो ि◌◌ाएगा।

रेखांजकत सज्ञाएँ◌ं क्रमर्: जकसी भाव और जकसी की जवर्◌ेषताकेबारेमेंबता रही हैं।ऐसी सज्ञाएँ◌ं भाववाचक कहलाती हैं।गणु और भाव केअलावा भाववाचक सज्ञाओं ◌ंका सबंधं जकसी की दर्◌ा और जकसी काययसेभी होता है।भाववाचक सज्ञां की पहचान यह हैजक इससेि◌ड्ुेब्दों को हम जसर्यमहससू कर सकतेहैं,देखया छूनहीं सकते।नीचेजलखी भाववाचक सज्ञाओं ◌ंको पढ़ों और समझो। इनमेंसेकुछ ब्दं सज्ञां और कुछ जक्रया सेबनेहैं।उन्हेंभी पहचानकर जलखो -

जमठास, भखू, र्◌ाजतं, भोलापन, बढ़ापा◌ु, घबराहट, बहाव, फुती, ताि◌गी, क्रोध, मज़दरी।◌ू

उत्तर

जक्रया सेबनी भाववाचक सज्ञां - घबराना सेघबराहट, बहाना सेबहाव

जवर्ेषणसेबनी भाववाचक सज्ञां - बढ़ाू सेबढ़ापाु, ताि ा सेताि गी, भखाू सेभखू, र्ातं सेर्ाजन्त,

मीठा सेजमठास, भोला सेभोलापन

ि ाजतवाचक सज्ञां सेबनी भाववाचक सज्ञां - मिदरु सेमिदरीू

भाववाचक सज्ञां - क्रोध और फुती ब्दं भाववाचक सज्ञां ब्दं है।

3. मैंअब इस तरह केउत्तरों की आदी हो चकीु ह।ँ

उस बगीचेमेंअमलतास, सेमल, किरी आजद तरह-तरह केपेड़थे।

ऊपर जलखेवाक्यों मेंरखांजकत ब्दं देखनेमेंजमलते-ि लतेुहैं,पर उनकेअथयजभन्न हैं।नीचेऐसेकुछ और समरूपी ब्दं जदए गए हैं।वाक्य बनाकर उनका अथयस्पष्ट करो - अवजध - अवधी, में- मैं,मेल- मैला, ओर - और, जदन - दीन, जसल - सील।

उत्तर

अवजध - यह पैसादो महीनेकी अवजध मेंलौटना है।

अवधी - कजव तलसीदासु नेअवधी भाषा मेंकई ग्रन्थ जलखेहैं।

में- चाय मेंचीनी डाल दो।

मैं-मैंतमसेुदःखी ह।ँ

मेल - दोनों भाइयों मेंकोई मेलनही है।

मैला- यह कपड़ा मैलाहो गया है।

ओर - उसकी ओर इर्ारा मत करो।

और - मझेुकलम और कागज़ दो।

जदन - राम चार जदनों सेकाम सेगायब है

दीन - राम ूबहतु दीन है।

जसल - जसल पर जपसेमसालों को लाओ।

सील - इस बोतल की सील तोड़ो।